सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 20 सितम्बर, 2025
वर्षः 02, अंकः 247, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए कोर्ट के निर्देश

इनसाइड किसान की बेटी हारी, शराब कारोबारी का बेटा बना... » Pg02

एक्शन-रिएक्शनः हड़ताल पर गए अधिवक्ता

वाराणसी में वकीलों और पुलिस का विवाद चरम पर

कोर्ट से सड़क तक जुलूस निकालकर दिखाई एकजुटता, आईपीएस अधिकारी को हटाने मांग

» वाराणसी, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बीते दिनों बड़ागांव के दरोगा को कचहरी परिसर में वकीलों की भीड़ द्वारा मारने पीटने की घटना के बाद से ही दोनों पक्षों में तनाव चरम पर है। वकीलों और पुलिस के बीच एक्शन और रिएक्शन को लेकर तनाव है तो सियासी बवाल भी सिर उठाने लगा है। इसी कड़ी में शनिवार को वकीलों ने कोर्ट में हड़ताल घोषित कर काम से विरत रहे।

शनिवार को एक ओर वाराणसी के वकील हड़ताल पर हैं तो दूसरी ओर सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने सीएम को पत्र भेजकर इस मामले में कार्रवाई की मांग की है। वकीलों ने दोपहर में परिसर से लेकर सड़क तक जुलूस निकाल कर एकता दिखाई और प्रदर्शन कर पुलिसिया कार्रवाई का विरोध भी जताया।

कचहरी परिसर में दारोगा की पिटाई के मामले में शनिवार तक दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोई रूपरेखा सामने नहीं आ सकी है। पुलिस और वकीलों के बीच एक ओर विवाद थम नहीं रहा तो दूसरी ओर सियासी बयानों और लेटरबाजी के दौर ने प्रकरण में और गर्माहट ला दी है।

वकीलों ने एक स्वर में तय किया कि वह इस प्रकरण में कतई नहीं झुकेंगे और पुलिस के एक्शन पर सभी एकजुट होकर पुलिस के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तक आंदोलनरत रहेंगे। वकीलों और महिला आईपीएस के बीच तीखी नोंकझोंक भी हुई है। वकीलों ने बनारस बार और सेंट्रल बार ने संयुक्त चर्चा के बाद आईपीएस नीतू कादयान बनारस से हटाने के लिए मोर्चा खोल दिया और हड़ताल का ऐलान भी कर दिया। गुरुवार और शुक्रवार को वकीलों का विरोध प्रदर्शन जारी रहा।

मामले में नीतू कादयान सहित 50 अज्ञात दरोगा और 50 अज्ञात सिपाहियों के खिलाफ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) कोर्ट में मुकदमा दर्ज की गई है। इस मामले की सुनवाई आज कोर्ट में होगी।

बार काउंसिल ने सीएम योगी को लिखा पत्र

उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में पुलिस और वकीलों के बीच हुए विवाद के मद्देनजर बार काउंसिल उत्तर प्रदेश ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। काउंसिल ने घटना की मजिस्ट्रेट जांच कराने और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने की मांग की है।

किसकी गर्मी शांत करेंगे आप?

दरोगा की पिटाई मामले में कई वकीलों के खिलाफ रिपोर्ट भी दर्ज की गई थी। उनकी गिरफ्तारी ना होने से दरोगा के परिजन पुलिस कार्यालय पर पहुंचे थे। इसी दौरान काफी संख्या में वकील भी अपने मुवक्किल के साथ वहां पहुंच गए। तभी पुलिस और वकीलों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। तीखी बहस का एक वीडियो जिसमें महिला आईपीएस नीतू कादयान वकीलों से कह रहीं हैं कि किसकी गर्मी शांत करेंगे आप' इस दौरान मौके पर हंगामा भी हुआ।

हाई कोर्ट का बड़ा आदेश

गाड़ियों से भी हटाए जाएंगे नारे और प्रतीक चिन्ह

जाति-जाति का शोर मचाने वालों पर कसेगी नकेल, होगी निगरानी

हाईकोर्ट ने एफआईआर, रिकवरी मेमो, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण मेमो, पुलिस की फाइनल रिपोर्ट तथा थानों के नोटिस बोर्ड से भी जाति संबंधी कॉलम हटाने के निर्देश दिए हैं।

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया।

प्रयागराज। जाति-जाति का शोर मचाने वालों पर अब नकेल कसने जा रही है। एक्स, फेसबुक, यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जाति की प्रशंसा करने वाली सामग्री की निगरानी होगी और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाएगी। वहीं गाड़ियों पर ठाकुर, यादव, ब्राह्मण या किसी भी जातीय पहचान को लिखकर घूमने वालों को भी अब समझ जाना चाहिए। मोटर वाहन नियमों में संशोधन कर निजी और सार्वजनिक वाहनों से जातीय पहचान के नारे और प्रतीक हटाए जाएंगे।

हाईकोर्ट ने एफआईआर, रिकवरी मेमो, गिरफ्तारी और आत्मसमर्पण मेमो, पुलिस की फाइनल रिपोर्ट तथा थानों के नोटिस बोर्ड से भी जाति संबंधी कॉलम हटाने के निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकल पीठ ने कहा कि समाज में फैल रहे जातीय विद्वेष को रोकने के लिए जातिगत महिमामंडन की प्रवृत्ति पर अंकुश जरूरी है। अदालत ने साफ कहा कि वंश के बजाय संविधान के प्रति श्रद्धा ही सच्ची देशभक्ति है और यही राष्ट्रीय सेवा का सर्वोच्च रूप है।

पीठ ने जातिगत महिमामंडन को राष्ट्रविरोधी करार देते हुए चेतावनी दी कि अभियुक्त की जाति लिखना या घोषित करना बिना कानूनी प्रासंगिकता के केवल पूर्वाग्रह को बढ़ावा देता है, जनमत को भ्रष्ट करता है, न्यायिक सोच को दूषित करता है और मौलिक अधिकारों का हनन करता है।

हाईकोर्ट ने कहा कि यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनना है तो समाज से जातिवाद की जड़ों को उखाड़ना होगा। अदालत ने इस दिशा में एक व्यापक कानून की भी आवश्यकता जताई है।

न्यायालय ने अपने आदेश की कॉपी यूपी के मुख्य सचिव को भेजने के निर्देश दिए हैं ताकि इसे मुख्यमंत्री, केंद्र सरकार के गृह सचिव, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय और प्रेस परिषद को भी अवगत कराया जा सके।

अब देखना यह होगा कि जातीय पहचान पर राजनीति करने वाले दल, संगठन, नेता, एक्टिविस्ट, सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर और आम लोग हाईकोर्ट के इन सख्त निर्देशों का कितना पालन करेंगे।

'आई लव मोहम्मद' विवाद पर बवाल

मुकदमे को लेकर जुलूस निकाल, किया प्रदर्शन

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।आई लव मोहम्मद के स्लोगन को लेकर उपजा विवाद लगातार गहराता जा रहा है। शुक्रवार को शारदा नगर की गौसिया मस्जिद से मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में एकत्र हुए और जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। लोगों का कहना था कि पुलिस ने बिना वजह धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मुद्दा बना दिया और मुकदमा स्लोगन आइ लव मोहम्मद को लेकर दर्ज किया गया है।

शारदा नगर में शुक्रवार को हुआ विरोध प्रदर्शन,प्रदर्शनकारियों का आरोप स्लोगन को लेकर दर्ज हुआ केस

जुलूस में शामिल लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और तुरंत मुकदमा वापस लेने की मांग की। उनका कहना है कि धार्मिक आयोजन में किसी को परेशानी नहीं थी, लेकिन पुलिस ने बेवजह माहौल बिगाड़ने का काम किया है।

प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि अगर मुकदमा वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

पुलिस ने साफ किया मामला

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मुकदमे का स्लोगन से कोई लेना-देना नहीं है। एसीपी कल्याणपुर रंजीत कुमार ने बताया कि एफआईआर में कुछ तकनीकी गलती हुई, जिससे लोगों में भ्रम फैल गया।

वास्तव में मुकदमा बारावफात की रोशनी कार्यक्रम के दौरान बिना अनुमति सड़क पर गेट लगाने और पांच सितंबर को निकले जुलूस में भंडारे का बैनर फाड़ने की घटना के आधार पर दर्ज किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि घटना के बाद हालात बिगड़ने से रोकने के लिए कार्रवाई जरूरी थी।

पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्दोष लोगों को परेशान नहीं किया जाएगा।

अगर विवेचना में किसी का नाम गलत पाया जाता है, तो उसे तुरंत एफआईआर से हटा दिया जाएगा। पुलिस लगातार मामले की गहन जांच कर रही है ताकि सच्चाई सामने आ सके और किसी समुदाय की भावनाएं आहत न हों।

गोवा में मनाया गया कपिला कृषि उद्योग का वार्षिक समारोह

» वितरक सम्मेलन 2025 में कई उद्यमी सम्मानित किए गए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोवा/कानपुर। भारत के पशु-आहार उद्योग की अग्रणी कंपनी कपिला कृषि उद्योग लिमिटेड (चयस) का तीन दिवसीय वार्षिक वितरक सम्मेलन 2025 गोवा में गरिमा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। देशभर से आए करीब 300 वितरकों, व्यवसाय सहयोगियों और प्रबंधन टीम की उपस्थिति ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

पिछले दो दशकों में तेज़ी से प्रगति करते हुए कंपनी आज 1000 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर रही है

और मिल्कोमोर पशु आहार तथा मिल्कोफॉड साइलज जैसे ब्रांड्स ने पशुपालकों के बीच भरोसे और गुणवत्ता की पहचान बना ली है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। निदेशक सौरभ शिवहरे ने स्वागत भाषण में वितरकों का आभार जताते हुए कहा कि हमारा हर कदम पशुपालकों की समृद्धि और किसानों के उत्थान को समर्पित है। उन्होंने कंपनी की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए संस्थापक स्व. रमेश चंद्र शिवहरे को श्रद्धांजलि अर्पित की सम्मेलन का सबसे भावुक क्षण वह रहा जब उत्कृष्ट वितरकों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

काशीपुर के खरबंदा फ़ीड स्टोर, रायबरेली के लबा सीमेंट एंड ट्रेडर्स, फ़तेहपुर के रामकृष्णा एंड संस, गोरखपुर के गग एंड संस तथा गाज़ीपुर के गुडलक फूड इंटरप्राइजेज़ सहित कई प्रतिष्ठित वितरकों को विशेष सम्मान दिया गया।

कंपनी के क्षेत्रीय प्रबंधकों और बिक्री अधिकारियों को भी पुरस्कारों से नवाज़ा गया।

कंपनी की नई तकनीकी पहलें भी सम्मेलन का केंद्र बिंदु रहीं। विशेष रूप से 'BADHO' ऐप की नई सुविधाओं ने वितरकों को ऑर्डर और भुगतान की पारदर्शी प्रक्रिया से परिचित कराया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी खूब रंग जमाया। हास्य कलाकार श्री सचान की प्रस्तुति और संगीत-नृत्य कार्यक्रमों ने माहौल को उल्लासमय बना दिया।

निदेशक सौरभ शिवहरे ने भावुक शब्द....

हमारा सपना है कि हर पशुपालक तक गुणवत्तापूर्ण और पोषणयुक्त पशु-आहार पहुँचे। हमारे वितरक इस सपने को साकार करने वाले सबसे मज़बूत स्तंभ हैं। 'मिल्कोमोर' केवल एक ब्रांड नहीं, बल्कि मेहनत, समर्पण और विश्वास से जुड़ा हुआ परिवार है।

यह सम्मेलन न सिर्फ व्यवसायिक रणनीतियों का मंच बना, बल्कि एक उत्सव की तरह वितरकों और कंपनी के बीच अटूट रिश्ते की मजबूती का प्रतीक भी साबित हुआ।

बेटा बना हैवान: घर में पिता की हत्या कर 80 किलोमीटर दूर जलाया शव

दृश्यम फिल्म देखकर रची थी साजिश,सख्ती करने पर हुआ खुलासा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। रामजी तिवारी ने पकड़े जाने से बचने के लिए ऋषभ शुक्ला को पिता का मोबाइल लेकर बिहार भेज दिया। वहां पर उसने मोबाइल को ऑन किया और उस पर कॉल की जिससे लोकेशन बिहार की आ गई। यह सीन उसने दृश्यम फिल्म को देखकर अपनाया था। कानपुर के कल्याणपुर में युवक ने संपत्ति के लालच में दोस्त के साथ मिलकर पिता कमलापति तिवारी की गला घोटकर हत्या कर दी और उनका शव करीब 80 किलोमीटर दूर औरैया में पेट्रोल छिड़ककर जला दिया। इसका खुलासा पुलिस ने लगभग छह महीने बाद शुक्रवार को कर दिया। आरोपी बेटे रामजी तिवारी और दोस्त ऋषभ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया।

बेटे ने बताया कि दृश्यम फिल्म देखकर उसने शव को ठिकाने लगाने का प्लान बनाया। इसी तरह, क्राइम पेट्रोल देखकर दोस्त को मोबाइल लेकर बिहार भेज दिया जिससे लोकेशन बिहार की मिले।

डीसीपी पश्चिम दिनेश कुमार त्रिपाठी ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में बताया कि पुराना शिवली रोड कल्याणपुर निवासी कमलापति तिवारी (62) रेलवे में गार्ड के पद से बिहार से सेवानिवृत्त हुए थे। वह शिवली रोड में अकेले रहते थे।

बिहार जाने की बात कहकर निकले थे

बड़ा बेटा रामजी तिवारी नारामऊ स्थित ससुराल और छोटा बेटा श्याम जी सनिगवां में रह रहे हैं। बेटी का विवाह हो चुका है। वृंदावन और मथुरा की यात्रा से मधु मई 2025 को लौटीं, तो उनको रामजी और उसका परिवार कल्याणपुर पुराना शिवली रोड वाले घर में मिला।

उन्होंने पति के बारे में पूछा तो रामजी ने बताया कि वह बिहार जाने की बात कहकर 15 मार्च को घर से निकले थे। अब उनका मोबाइल बंद आ रहा है। मधु ने रिश्तेदारों और अन्य जानकारों से पूछताछ की, लेकिन पति की कहीं जानकारी नहीं हुई।

औरैया में एक जला हुआ शव मिलने की बात सामने आई

उन्होंने 12 जून 2025 को गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने उनके मोबाइल की लोकेशन देखी, तो वह अप्रैल में बिहार के मधुबनी जिले के जयनगर क्षेत्र की निकली। वहां की पुलिस को फोटो भेजकर जानकारी मांगी गई, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पुलिस ने आसपास के जिलों में लावारिस शवों की जानकारी कराई, जिसमें औरैया जिले में 18 मार्च 2025 को एक जला हुआ शव मिलने की बात सामने आई। उस शव का फोटो मधु को दिखाया गया, तो उन्होंने पति का शव होने की पुष्टि की।

सख्ती से पूछताछ पर कबूल कर लिया अपराध

इसके बाद पुलिस का शक बेटे पर गया। पुराना शिवली रोड स्थित घर के आसपास के पड़ोसियों ने बताया कि पिता के लापता होने के बाद से बेटा अपने परिवार के साथ यहां रह रहा है। इस पर पुलिस ने घर की तलाशी ली। वहां कमलापति तिवारी का मोबाइल मिल गया। उन्होंने रामजी तिवारी और उसके माधवपुरम आईआईटी सोसाइटी निवासी दोस्त ऋषभ शुक्ला को गिरफ्तार कर लिया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों अपना अपराध कबूल कर लिया।

अंडरवियर छोड़कर सारे कपड़े उतार दिए

कल्याणपुर इंस्पेक्टर अजय प्रकाश मिश्रा ने बताया कि पूरी साजिश रचकर हत्या की गई थी। 17 मार्च 2025 को कमलापति तिवारी घर में अकेले थे।

इस बीच रामजी तिवारी और ऋषभ शुक्ला ने आकर उनका गला दबा दिया और शव अन्य दोस्त की कार में डालकर औरैया के बेला में नहर किनारे ले जाकर जला दिया। रामजी तिवारी ने पहचान न हो उसके लिए अंडरवियर छोड़कर पिता के सारे कपड़े उतार दिए।

औरैया में उनके चेहरे पर पेट्रोल वाली पॉलिथीन बांध दी जबकि शरीर में पेट्रोल छिड़कर कर आग लगा दी। आग लगाते ही तेज रोशनी हुई दोनों पकड़े जाने के डर से भाग निकले। 18 मार्च को बेला पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पेंशन और आठ दुकानों के किराये पर नजर

डीसीपी पश्चिम ने बताया कि रामजी तिवारी की नजर पिता की पेंशन और शिवली रोड पर स्थित आठ दुकानों से आ रहे किराये पर थी। उसने बताया कि पिता हमेशा नशे में धुत रहते थे। उनकी इसी आदत की वजह से छोटा भाई सनिगवां में रह रहा है।

वह शिक्षक है। मां अधिकतर समय धार्मिक यात्रा में रहती हैं। पिता कल्याणपुर शिवली रोड वाले घर में किसी को नहीं रखते थे। उनको समझाने की कई बार कोशिश की, लेकिन वह माने नहीं। उन्होंने बहू का भी अपमान किया, जिस पर वह परिवार समेत नारामऊ स्थित ससुराल में रहने लगा। पिता सारे रुपये अपने पास रख रहे थे। इसलिए उनको ठिकाने लगाने की साजिश रची।

ग्राम पंचायत कुईतखेड़ा के — कानपुर देहात डीएम का बड़ा एक्शन

प्रधान व सचिव निलंबित, रिकवरी के आदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिला मजिस्ट्रेट कपिल सिंह ने विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सख्त कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत कुईतखेड़ा (विकास खंड अकबरपुर) के ग्राम प्रधान बृजेन्द्र सिंह एवं संबंधित पंचायत सचिव को गंभीर वित्तीय अनियमितताओं और धनराशि के दुरुपयोग के आरोप में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जांच में पाया गया कि दोनों द्वारा खातों से अनियमित निकासी की गई और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना धन का उपयोग हुआ। इस लापरवाही से राज्य वित्त एवं अन्य मदों की पारदर्शिता प्रभावित हुई।

डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निलंबित प्रधान और सचिव के विरुद्ध प्रथम दृष्टया आरोप पत्र तैयार कर शासन को भेजा जाए। साथ ही, यदि जांच में सरकारी धन की हानि साबित होती है तो संबंधित व्यक्तियों से पूरी रिकवरी कराई जाएगी।

डीएम कपिल सिंह ने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर मिलने वाली धनराशि जनता की अमानत है। इसमें हेराफेरी या लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी ग्राम प्रधानों और सचिवों को चेतावनी दी है कि योजनाओं के संचालन में शत-प्रतिशत पारदर्शिता रखें, अन्यथा कठोर कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

इस कार्रवाई से यह संदेश स्पष्ट है कि शासन भ्रष्टाचार और अनियमितताओं पर किसी भी स्तर पर समझौता नहीं करेगा। पंचायतों में हो रहे विकास कार्यों पर सतत निगरानी रखी जाएगी, ताकि जनता को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके।

नहीं रहे गुलामी की जंजीरें तोड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानी राजाराम

आजादी का परचम थामने वाले की 108 बरस में थमीं सांसें

» 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में कर दी थी अंग्रेज़ों की नींद हराम

बाएं से चित्र में सेनानी के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित करते एसडीएम संजीव दीक्षित व एसीपी अमरनाथ यादव। घाट पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजाराम को राजकीय सम्मान देते पुलिसकर्मी एवं दाएं राजाराम द्विवेदी (फाइल फोटो)

» रिजवान कुरैशी, स्वराज इंडिया।

बिल्हौर/कानपुर। देश की गुलामी की बेड़ियां तोड़ने के लिए अपनी जवानी जेल की काल कोठरियों में गुज़ारने वाले कानपुर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजाराम का शुक्रवार को 108 वर्ष की आयु में निधन हो गया। गांव के सामान्य किसान परिवार में जन्मे राजाराम ने 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में अंग्रेज़ों की नींद हराम कर दी थी। आज़ादी के बाद उन्होंने शोहरत की जगह सादगी भरा जीवन चुना और खेती-किसानी करते रहे। उनके निधन की खबर से गांव और प्रशासनिक हलकों में गहरा शोक व्याप्त है। राजकीय सम्मान के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई और गंगा तट पर उन्हें पंचतत्व में विलीन कर दिया गया।

वर्ष 1917 में कानपुर नगर की बिल्हौर तहसील के चंद्रपुरा गांव में जन्मे राजाराम द्विवेदी बचपन से ही क्रांतिकारी विचारधारा से प्रभावित थे। प्रारंभिक शिक्षा गांव और आसपास के स्कूलों में पूरी की। छात्र जीवन में ही वे क्रांतिकारियों की गतिविधियों से जुड़ गए और संदेशों व साहित्य को गुप्त रूप से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने लगे।

भारत छोड़ो आंदोलन में हुई थी गिरफ्तारी

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उन्होंने साथियों संग अंग्रेजों के खिलाफ मोर्चा खोला। नहर पटरी पर खांदी काटने की घटना में सक्रिय भूमिका निभाने पर वे गिरफ्तार कर लिए गए। जेल की यातनायें भी उनके हौसले को नहीं पस्त कर सकी। लंबे समय तक कारावास झेलने के बाद वे रिहा हुए।

आजादी मिलने के बाद राजाराम ने राजनीति या पद-प्रतिष्ठा का रास्ता नहीं अपनाया। वे गांव में रहकर खेती-किसानी करते रहे और सामान्य किसान की तरह सादगी से जीवन बिताया। करीब 40 वर्ष पहले उनकी पत्नी सरस्वती देवी का निधन हो गया था। परिवार में बेटा श्रवण कुमार और बेटी दीप रानी हैं, जबकि बड़े बेटे राधाकृष्ण का हाल ही में निधन हो चुका है।

गांव में शोक, राजकीय सम्मान के साथ विदाई

उनके निधन की खबर सुनते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों की आंखें नम हो गईं। सूचना पर एसडीएम संजीव दीक्षित और एसीपी अमरनाथ यादव मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने पार्थिव शरीर को तिरंगा ओढ़ाकर सलामी दी और परिजनों को ढांढस बंधाया। इसके बाद शव यात्रा निकाली गई और नानामऊ गंगा तट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

सादगी से गुजारी जिंदगी

नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत

चंद्रपूरा गांव निवासी अधिवक्ता संदीप पाल ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राजाराम का जीवन नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। उन्होंने जिस साहस और त्याग के साथ आज़ादी की लड़ाई लड़ी, वह सदैव स्मरणीय रहेगा और देशभक्तों को ऊर्जा प्रदान करता रहेगा। उनकी सादगी को हम लोग कभी नहीं भूल पाएंगे।

तहसील में बीएलओ कार्य समीक्षा बैठक

निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू बनाने के निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। उपजिलाधिकारी संजीव दीक्षित एवं तहसीलदार अनुभव चंद्रा की अध्यक्षता में शुक्रवार को तहसील सभागार में सुपरवाइजर्स और बीएलओ की कार्य समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य आगामी निर्वाचन प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित बनाना था।

अधिकारियों ने बीएलओ को मतदाता सूची के अद्यतन, जागरूकता अभियान और निर्वाचन में निष्पक्षता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रत्येक बीएलओ से अपने क्षेत्र में मतदाता जागरूकता बढ़ाने और त्रुटियों को समय पर सुधारने का आग्रह किया।

सुपरवाइजर्स और बीएलओ ने अपने अनुभव साझा किए और प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव दिए। अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की बैठकें निर्वाचन की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण हैं। इस दौरान नायब तहसील सीपी राजपूत, तहसील कर्मी सौरभ राठौर समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

सीएचसी का निरीक्षण: एमएलसी अरुण पाठक ने सुनी समस्याएं

अधिकारियों को फोन कर दिए तत्काल समाधान के निर्देश

बिल्हौर सीएचसी में निरीक्षण के दौरान एमएलसी अरुण पाठक रजिस्टर चेक करते हुए।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। शुक्रवार को एमएलसी अरुण पाठक ने बीबीपुर स्थित पार्टी कार्यालय में ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने शिकायत से संबंधित अधिकारियों को फोन कर तत्काल समाधान के निर्देश दिए और लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें प्राथमिकता देने की बात कही। एमएलसी अरुण पाठक ने कहा कि जनता की शिकायतों को तात्कालिक रूप से हल करना प्रशासन की जिम्मेदारी है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

इसके बाद एमएलसी ने बिल्हौर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दवा वितरण की व्यवस्था, दंत चिकित्सा सुविधाएं, एक्स-रे कक्ष और प्रयोगशाला की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जनरल वार्ड में सफाई, रोगियों के लिए सुविधाओं और कर्मचारियों की व्यवस्था को भी देखा। एमएलसी अरुण पाठक ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलनी चाहिए। किसी भी प्रकार की कमी या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर अधिवक्ता अतुल शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्याम कटियार,पूर्व उपाध्यक्ष जेपी कटियार, ऋषि गुप्ता, नितिन कटियार समेत कई भाजपाई मौजूद रहे।

शिकायत के बाद नाली निर्माण कार्य शुरू

बिल्हौर(कानपुर)। शांति नगर, ककवन रोड के सत्येंद्र यादव के खाली पड़े प्लाट में जा रहे पानी कि एसडीएम बिल्हौर से की गई शिकायत पर कार्रवाई हुई है। शिकायतकर्ता ने बताया था कि उक्त प्लाट पर निर्माण कार्य होने वाला था। जिसमें नाली निर्माण अति आवश्यक था। रास्ते के दोनों तरफ नाली निर्माण हो चुका है, लेकिन शिकायतकर्ता की तरफ जो नाली बननी थी। उस पर 10 फीट जमीन पर संतोष कटियार का कब्जा था।

बीते 15 सितंबर को शिकायतकर्ता ने एसडीएम संजीव दीक्षित को अपनी समस्या बताई। एसडीएम ने शिकायतकर्ता की बात सुनकर जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। शुक्रवार को राजस्व टीम और विकास खंड बिल्हौर की टीम ने मौके पर निशानदेही करते हुए नाली निर्माण का कार्य शुरू कराया। शिकायतकर्ता ने कार्रवाई से संतोष व्यक्त किया।

सम्पादकीय

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी।

साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया।

उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ।

पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा।

हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है।

तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

डॉ. जगदीप सिंह

ऑपरेशन सिंदूर उद्दंड पड़ोसी से निबटने में भारत की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। जिसका पहला बिंदु, देश के बाहर से आतंकी हमले के जवाब में सीमापार कड़ी सैन्य कार्रवाई करना है। यह पाकिस्तानी सेना को तय करना है कि सैन्य-जिहाद परिसर खत्म करे या फिर विनाशक संघर्ष भुगते। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ कि अब फोकस सबूत सौंपने पर नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क तोड़ने पर है।छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ श्रृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई।

भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा।

भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषत- पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'ज्अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के ज़रिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिन्दगी

मानवीय त्रासदी

क्षमा शर्मा

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु:ख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं।टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार-छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दु :ख को भोगने

के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर-दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी-अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है—'हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा।' यह गाना ऐसा है कि सुनते-सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी-अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के वक्त अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला।

सनातन परंपराओं के प्रति आस्था

मुकेश अंबानी

ने गयाजी में किया पिंडदान

पितृ पक्ष को लेकर पूरे देश में चल रहा है श्राद्ध कर्म

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गया (बिहार)। भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी ने शुक्रवार को बिहार के गया स्थित ऐतिहासिक विष्णुपद मंदिर में अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। इस अवसर पर उनके पुत्र अनंत अंबानी भी मौजूद रहे।

मंदिर ट्रस्ट के कार्यकारी अध्यक्ष शंभू लाल विट्ठल ने बताया कि अंबानी परिवार ने फल्गु नदी तट पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पिंडदान एवं जल तर्पण की विधि पूरी की। सनातन धर्म की मान्यता के अनुसार गया में पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है और उनके आशीर्वाद से परिवार-समाज समृद्ध होता है।सनातन संस्कृति और आस्था को जीवंत रखने वाला यह अनुष्ठान हर वर्ष पितृपक्ष में विशेष रूप से किया जाता है। मुकेश अंबानी जैसे आधुनिक युग के बड़े उद्योगपति द्वारा इन परंपराओं के प्रति सम्मान और आस्था प्रकट करना समाज के लिए एक प्रेरणादायक संदेश है।

जहाँ कुछ लोग श्राद्ध कर्म को औपचारिकता या अंधविश्वास मानकर उपहास करते हैं, वहीं यह उदाहरण दर्शाता है कि हमारी प्राचीन परंपराएँ केवल आस्था का नहीं बल्कि सांस्कृतिक और पारिवारिक मूल्यों को जोड़ने का माध्यम भी हैं।

गयाजी का यह धार्मिक आयोजन एक बार फिर इस सत्य को रेखांकित करता है कि आधुनिकता के दौर में भी सनातन संस्कृति की जड़ें अटूट और जीवंत हैं।

सफलता की उड़ान

दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ चुनाव परिणाम

किसान की बेटी हारी, शराब कारोबारी का बेटा बना अध्यक्ष

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने बड़ा जीत का परचम लहराया है। अध्यक्ष पद पर एबीवीपी के उम्मीदवार आर्यन मान ने एनएसयूआई की प्रत्याशी जोसलिन नंदिता चौधरी को हराकर जीत दर्ज की। आर्यन ने कुल 21,854 वोट हासिल किए, जबकि जोसलिन को केवल 9,973 वोट मिले। आर्यन ने अपने प्रतिद्वंदी को 9,800 वोटों से मात दी।

हरियाणा के बहादुरगढ़ के रहने वाले आर्यन मान के पिता एडीएस स्पिरिट प्राइवेट लिमिटेड में एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं। चुनाव प्रचार के दौरान आर्यन के समर्थन में फिल्म अभिनेता संजय दत्त, रणदीप हुड्डा और सांसद रवि किशन जैसे बड़े चेहरे भी मैदान में उतरे थे। दिल्ली यूनिवर्सिटी में जाट समुदाय का असर इस चुनाव में साफ नजर आया।

दूसरी ओर, राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली जोसलिन चौधरी किसान परिवार से आती हैं। वह बौद्ध अध्ययन में परास्नातक की छात्रा हैं। जोसलिन ने अपनी हार के बाद ईवीएम में गड़बड़ी के आरोप लगाए हैं।

छात्रसंघ के अन्य पदों पर भी एबीवीपी का दबदबा देखने को मिला—

उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई के राहुल ने एबीवीपी उम्मीदवार गोविंद तंवर को हराया। राहुल को 22,770 वोट मिले, जबकि गोविंद को 16,013 वोट मिले।सचिव पद पर एबीवीपी के कुणाल चौधरी विजयी रहे। उन्हें 18,506 वोट मिले, जबकि एनएसयूआई के कबीर को 12,419 वोट मिले।

उप सचिव पद पर एबीवीपी की दीपिका झा ने जीत दर्ज की। उन्हें 16,501 वोट हासिल हुए, जबकि एनएसयूआई के लवकुश को 13,996 वोट मिले।

इस बार छात्रसंघ चुनाव में कुल 21 उम्मीदवार मैदान में थे और करीब 40 प्रतिशत छात्रों ने मतदान किया। नतीजों से साफ है कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में इस बार भी एबीवीपी का प्रभाव कायम रहा, हालांकि उपाध्यक्ष पद पर एनएसयूआई ने सेंधमारी की है।

फर्रूखाबाद में खुला नाला बना हादसे का सबब

» बाइक समेत युवक गिरा नाले में, स्थानीयों ने बचाई जान

» नगर पालिका की लापरवाही पर भड़के लोग, कार्रवाई की दी चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रूखाबाद। नगर पालिका की घोर लापरवाही ने एक बार फिर बड़ी दुर्घटना को जन्म दिया। कोतवाली क्षेत्र के लालगेट पर देर रात सड़क किनारे बने खुले नाले में बाइक समेत युवक जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल दौड़कर युवक और बाइक को बाहर निकाला। हालांकि गिरने से

युवक को गंभीर चोटें आईं और उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि युवक जैसे ही लालगेट इलाके से गुजरा, सड़क किनारे खुले नाले को न देख पाने के चलते बाइक सहित गिर पड़ा। कुछ देर तक वह नाले में फंसा रहा, जिससे उसकी जान पर बन आई थी।स्थानीय लोगों ने नगर पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि नाले को ढकवाने की मांग कई बार उठाई गई,

लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बार-बार शिकायतों के बावजूद अधिकारी आंख मूंदे बैठे रहे। परिणामस्वरूप आए दिन इस इलाके में लोग हादसों का शिकार हो रहे हैं।लोगों ने बताया कि बरसात के दिनों में यह नाला और भी खतरनाक हो जाता है।

पानी भरने पर राहगीरों को गड्ढा या नाला बिल्कुल दिखाई नहीं देता, जिससे गंभीर हादसों की आशंका हमेशा बनी रहती है।हादसे के बाद क्षेत्रीय लोगों में भारी गुस्सा है।

उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर नगर पालिका प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई कर नाले को ढकने का काम शुरू नहीं किया, तो वे सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे।

स्थानीय नागरिकों ने यह भी कहा कि यह घटना नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गहरे सवाल खड़े करती है। आखिर जनता की सुरक्षा से जुड़े ऐसे बुनियादी कामों में इतनी लापरवाही क्यों बरती जा रही है? उन्होंने साफ कहा कि अब प्रशासन को ठोस कदम उठाने होंगे, अन्यथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

बारिश और धूप में भी लगी लंबी कतार, धक्का-मुक्की झेलते रहे किसान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उन्नाव। रसूलाबाद कस्बे की सहकारी समिति पर खाद वितरण के दौरान किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। नए कानून के तहत खाद वितरण की प्रक्रिया अपनाई जा रही है, जिसके चलते सैकड़ों किसान धूप और बारिश की मार झेलते हुए कतार में लगे रहे।

खाद लेने पहुंचे किसानों को घंटों लाइन में खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी, जिससे किसानों में आक्रोश दिखा। हालांकि समिति प्रबंधन का कहना है कि सभी मानकों का अनुपालन करते हुए खाद का वितरण किया गया।

सहकारी समिति रसूलाबाद के अंतर्गत आने वाले पाँच सौ से अधिक किसानों को खाद वितरित की गई। इस मौके पर सचिव परिषद उन्नाव जिला अध्यक्ष एवं सहकारी समिति रसूलाबाद के सचिव शिव नारायण तिवारी मौजूद रहे।बताया गया कि जिला अध्यक्ष शिव नारायण तिवारी को जनपद की चार सहकारी समितियों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके अनुसार किसानों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

मंगलपुर में मुठभेड़: नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

» पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली

» अवैध तमंचा और कारतूस बरामद, आरोपी ने कबूला जुर्म

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।अपराध नियंत्रण की दिशा में कानपुर देहात पुलिस ने शुक्रवार रात बड़ी सफलता हासिल की। थाना मंगलपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पांडेय के निर्देशन और प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में आरोपी मोहम्मद वारिश को झींझक रेलवे स्टेशन के पास डीएफसी रेलवे लाइन क्षेत्र से दबोचा गया।

सूचना मिलने पर पुलिस ने जब इलाके की घेराबंदी की तो आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी को झींझक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।मुठभेड़ के बाद तलाशी में पुलिस ने आरोपी के पास से एक अवैध तमंचा 315 बोर, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ पहले से ही पॉक्सो समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। प्रभारी निरीक्षक महेश कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मलासा ब्लॉक में टेंडर के बिना हो रहे काम, पंचायतों में लूट की खुली पोल

» अदृश्य फर्मों से करोड़ों का खेल, अधिकारियों ने साधी चुप्पी

» शिकायतकर्ता जल्द डीएम से करेंगे गुहार, बड़े साहब के संरक्षण के आरोप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।मलासा ब्लॉक में विकास कार्यों और हैंडपंप मरम्मत से लेकर रिबोर तक में भ्रष्टाचार की परतें खुलने लगी हैं। पंचायतों में विकास कार्यों के नाम पर आने वाली धनराशि को बिना टेंडर प्रक्रिया के चहेती फर्मों के जरिए खर्च किया जा रहा है। अदृश्य फर्मों के नाम पर मजदूरों के खातों में धनराशि डालकर जमकर लूट मचाई जा रही है।सूत्रों के अनुसार दर्जनों ग्राम पंचायतों में एक ही फर्म को मल्टीपरपज तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। इंटरलॉकिंग, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, मरम्मत और अन्य विकास कार्यों के बिल बिना जीएसटी और बिना तारीख के अपलोड किए गए हैं। यहां तक कि पंचायत सचिवों द्वारा उन्हें सत्यापित भी नहीं किया गया है।

पंचायत में मास्टर रोल फीड करने के बजाय वाउचर बनाकर लाखों रुपए श्रमिकों के नाम पर फर्जी तरीके से फर्म मालिकों के खातों में भेजे जा रहे हैं। निविदा प्रक्रिया को भी केवल कागजों पर पूरा दिखाया जा रहा है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि जिले के वित्त नियंत्रक अधिकारी से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अफसर आंख मूंदकर बैठे हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि वे जल्द ही डीएम से शिकायत करेंगे और भ्रष्टाचार का बड़ा खुलासा करेंगे।अब देखना है कि डीएम और सीडीओ इस मामले पर कार्रवाई करते हैं या फिर मलासा ब्लॉक में भ्रष्टाचार का खेल इसी तरह जारी रहेगा।

बारा टोल प्लाजा पर चला स्वच्छता अभियान

» सेवा पखवाड़े के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

» स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को मजबूत करने का लिया गया प्रण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत शुक्रवार को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बारा टोल प्लाजा पर स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया।बीते 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चल रहे सेवा पखवाड़े के अंतर्गत यह कार्यक्रम स्वच्छ उत्सव नाम से आयोजित हुआ। अभियान में बड़ी संख्या में लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

टोल के डीजीएम मनोज शर्मा ने बताया कि यह अभियान स्वच्छता ही सेवा के संकल्प को मजबूत करने और समाज में सेवा, समर्पण तथा जन-भागीदारी की भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एनएचएआई के शैलेन्द्र कुमार सिंह, टोल के डीजीएम मनोज शर्मा, प्रबंधक नीरज त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिकारी राकेश पाठक, आलोक कुमार सिंह, संजय श्रीवास्तव, रवीन्द्र प्रताप सिंह, एमपी सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

टीईटी अनिवार्यता पर भड़के शिक्षक, सांसद को सौंपा ज्ञापन

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले को बताया सेवा और भविष्य पर संकट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिक्षकों पर टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्य करने के फैसले ने शिक्षा जगत में खलबली मचा दी है। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले दर्जनों शिक्षक पुखरायां कस्बे के पटेल चौक पर एकत्र हुए और फैसले का विरोध जताया। शिक्षकों का कहना है कि यह निर्णय उनकी वर्षों की सेवा और भविष्य दोनों पर खतरा पैदा कर रहा है। जिलाध्यक्ष एल.बी. सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने सांसद नारायणदास अहिरवार को शिक्षा मंत्री के नाम संबोधित एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें सरकार से तत्काल हस्तक्षेप और कानून में संशोधन की मांग की गई।

जिलाध्यक्ष एल.बी. सिंह बोले वर्षों पुरानी नियुक्तियों पर नई शर्तें अन्यायपूर्ण

अनुभव और सेवा को दरकिनार करना अनुचित

शिक्षकों का कहना है कि जिनकी नियुक्ति वर्ष 2011 से पहले हुई थी, उस समय टीईटी की अनिवार्यता नहीं थी। उन्होंने निर्धारित सभी योग्यताओं को पूरा करने के बाद ही नियुक्ति पाई थी। ऐसे में कई साल बाद अचानक नई शर्त थोपना अन्यायपूर्ण है। जिलाध्यक्ष एल.बी. सिंह ने स्पष्ट कहा कि यह फैसला न केवल शिक्षकों में असुरक्षा की भावना पैदा कर रहा है, बल्कि उनकी ईमानदार सेवाओं को भी कमतर आँक रहा है।

उन्होंने चेतावनी दी कि यह मामला सिर्फ कानूनी नहीं बल्कि हजारों परिवारों के भविष्य से जुड़ा है। शिक्षकों ने सांसद से अपील की कि वह इस संवेदनशील मुद्दे को केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय तक पहुँचाएँ। आंदोलन को समाज के विभिन्न वर्गों का समर्थन भी मिल रहा है।

शिक्षकों का कहना है कि सरकार को उनकी पीड़ा समझनी होगी और ऐसा समाधान निकालना होगा जिससे उनकी नौकरी सुरक्षित रहे और शिक्षा जगत में स्थिरता बनी रहे।

दहेज की लालच ने ली विवाहिता की जान, 6 पर हत्या का मुकदमा

» शादी के बाद से चल रहा था उत्पीड़न, लाखों की कर रहे थे मांग

» पति समेत 6 आरोपी फरार, पुलिस ने दर्ज किया केस

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात।अकबरपुर थाना क्षेत्र से दहेज हत्या का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। नवविवाहिता नाजरीन को कम दहेज का ताना देकर लगातार प्रताड़ित किया जाता रहा और अंततः उसकी जान ले ली गई। मृतका के भाई मोहम्मद इमरान की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत 6 लोगों के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज कर दी है।

भोगनीपुर निवासी मोहम्मद इमरान के अनुसार, उनकी बहन नाजरीन की शादी नवंबर 2021 में अकबरपुर निवासी मोहम्मद हारून से हुई थी। शादी के कुछ दिनों बाद ही ससुराल पक्ष कम दहेज को लेकर ताने देने लगा। आरोप है कि ससुराल वालों ने मोटरसाइकिल छोड़कर बाकी दहेज का सामान मायके में फेंक दिया और 5 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। परिजनों ने बड़ी मुश्किल से 2.5 लाख रुपये दिए, लेकिन उत्पीड़न बंद नहीं हुआ।

10 सितंबर को पराकाष्ठा, फांसी लगाकर हत्या का आरोप

परिजनों का आरोप है कि 10 सितंबर की रात पति मोहम्मद हारून, ससुर नौशाद अली, सास बेबी, देवर इमरान, ननद रोजी और ननदोई जीशान ने मिलकर नाजरीन को बेरहमी से पीटा और रात करीब 11 बजे फांसी लगाकर उसकी हत्या कर दी।

अकबरपुर कोतवाल हरमीत सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर सभी 6 आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

फिलहाल आरोपी फरार हैं और उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं।यह घटना एक बार फिर समाज को झकझोरने वाली है और यह साबित करती है कि दहेज जैसी कुप्रथा अभी भी कितनी गहरी जड़ें जमाए हुए है। नाजरीन की मौत न सिर्फ उसके परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी भी।

रजबहे की पटरी टूटी, सैकड़ों बीघा धान की फसल जलमग्न

» खेतों में घुटनों तक पानी भरने से किसानों की बढ़ी चिंता

» सिंचाई विभाग ने मौके पर पहुंचकर कराया हेड से पानी बंद

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात।रनियां क्षेत्र में शुक्रवार देर रात बड़ा हादसा हो गया। मुबारकपुर लाटा गांव के सामने घाटमपुर रजबहे की पटरी कट जाने से विसायकपुर की ओर पानी का तेज बहाव हुआ, जिसके चलते सैकड़ों बीघा खेत जलमग्न हो गए। मुख्य मार्ग पर पानी चलने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी झेलनी पड़ी। सूचना मिलते ही सिंचाई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लेकर हेड से पानी बंद कर दिया।

इस समय खेतों में धान की फसल लहलहा रही है। कई जगह फसल हरी है तो कुछ खेतों में पकने की कगार पर है। किसानों का कहना है कि वे पूरी मेहनत के साथ फसल तैयार कर चुके हैं और उसकी बिक्री से परिवार की उम्मीदें जुड़ी हैं। लेकिन रजबहे की पटरी कटने से खेतों में घुटनों तक पानी भर गया है। फसल कटने से पहले ही डूबने लगी तो किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो जाएगा।

शनिवार सुबह जब किसानों ने खेतों की हालत देखी तो मायूस हो उठे। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे एई रामप्रकाश और जेई गोविंद कुमार ने मौके का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने बताया कि हेड से पानी बंद करा दिया गया है और पानी का दबाव कम होते ही पटरी की मरम्मत शुरू कर दी जाएगी। उनका दावा है कि अधिकांश फसल अभी हरी होने से बड़ा नुकसान नहीं होगा, हालांकि किसानों की चिंता कम नहीं हो रही है।

त्यौहारों में न पड़े किसी प्रकार की खलल: सीएम

» हर्ष-उल्लास से मनें पर्व-त्योहार, सुरक्षा व सुविधा पर सीएम योगी सख्त

» सीएम योगी ने कानून व्यवस्था को लेकर की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में आगामी सभी पर्व-त्योहार शांति और सौहार्द के बीच सम्पन्न हों। इसके लिए शासन-प्रशासन को 24 7 अलर्ट रहना होगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराधियों के मन में भय और आमजन के मन में पुलिस के प्रति विश्वास होना चाहिए।मुख्यमंत्री शुक्रवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में बोल रहे थे। बैठक में मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों, पुलिस आयुक्तों और वरिष्ठ अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लिया।

सीएम योगी ने निर्देश दिया कि पितृ विसर्जन, शारदीय नवरात्रि, विजयादशमी, दीपावली, देव-दीपावली और छठ जैसे पर्वों पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम हों। उपद्रवियों और अराजक तत्वों से सख्ती से निपटा जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चौकसी बढ़ाई जाए

और फेक न्यूज फैलाने वालों पर कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री ने मिशन शक्ति 5.0 के सफल संचालन पर भी जोर दिया। उन्होंने बताया कि 22 सितंबर से यह अभियान पूरे प्रदेश में चलेगा। इसके लिए 21 सितंबर को महिला पुलिसकर्मियों की बाइक रैली निकाली जाएगी। एंटी रोमियो स्क्वॉड सक्रिय रहेंगे और अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा।सीएम ने साफ-सफाई, पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। मंदिरों में स्वच्छता और श्रद्धालुओं की सुविधा पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त रखने, दवाओं, स्नेक वेनम और रैबीज इंजेक्शन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा।

सीएम योगी ने कहा कि आईजीआरएस, सम्पूर्ण समाधान दिवस और सीएम हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों का समयबद्ध और संतोषजनक निस्तारण अधिकारियों की प्राथमिकता हो। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी सभी पर्व-त्योहार शांति और सौहार्द के साथ सम्पन्न होंगे।

नाराजगी, गोरखपुर से मेरठ तक की घटनाओं पर योगी ने जताई चिंता

लखनऊ। सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को हुई उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हाल ही में घटी कई गंभीर घटनाओं पर कड़ी नाराजगी जताई।सीएम ने गोरखपुर में पशु तस्करों द्वारा 19 वर्षीय छात्र की हत्या, गाजीपुर में पुलिस पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता की मौत, बरेली में फिल्म अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर हुई फायरिंग, मेरठ के गांव सलावा में सांप्रदायिक तनाव और कुशीनगर में पुलिसकर्मियों की पशु तस्करों से साठगांठ समेत अन्य मामलों को लेकर संबंधित अधिकारियों से कड़े शब्दों में जवाब-तलब किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि ऐसी घटनाओं को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस प्रशासन को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी हाल में कानून-व्यवस्था को बिगड़ने नहीं दिया जाए। वाराणसी की स्थिति पर भी सीएम ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बार-बार सतर्कता बरतने के निर्देश दिए जाते हैं, इसके बावजूद शिकायतें मिल रही हैं। सभी वरिष्ठ अधिकारी पूरी तरह सतर्क रहें और छोटे से छोटे मामले पर भी संवेदनशीलता दिखाएं, ताकि माहौल खराब न हो सके।

अपराधियों-माफियाओं की अब खैर नहीं: एसएसपी डॉ. अनिल कुमार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आजमगढ़। जनपद को नए कप्तान के रूप में वर्ष 2016 बैच के आईपीएस डॉ. अनिल कुमार मिले हैं। शुक्रवार देर शाम चार्ज संभालने के बाद उन्होंने साफ किया कि अपराधियों और माफियाओं की अब खैर नहीं है।डॉ. कुमार प्रतापगढ़ में बतौर एसपी अपनी सख्त कार्यशैली के लिए जाने जाते रहे हैं। चार्ज लेने के बाद डीआईजी सुनील कुमार सिंह से मुलाकात करने के साथ ही उन्होंने पुलिस अधिकारियों संग बैठक की।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवागत एसएसपी ने कहा कि अपराध पर अंकुश, पीड़ितों को थाना स्तर पर न्याय और कानून-व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। महिला अपराध व गौकशी पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला स्तर पर चिन्हित माफिया जेल की सलाखों के पीछे होंगे। विचाराधीन मुकदमों में मजबूत साक्ष्य व समय से गवाही सुनिश्चित कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।उन्होंने साफ चेताया— अपराधियों और माफियाओं की जगह अब समाज में नहीं, केवल जेल या यमलोक में होगी।

जनपद को तेजतर्रार व न्यायप्रिय युवा एसएसपी मिलने से जनता में उम्मीद जगी है कि अपराध पर नकेल कसने में निर्णायक सफलता मिलेगी।

आंखों के सामने नदी में गिरा मकान, युवती ने भागकर बचाई जान

» शारदा नदी में समाए 10 और घर, मचा हाहाकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। निघासन तहसील क्षेत्र के ग्रंट 12 गांव में शारदा के कटान से 100 से अधिक नदी में समा चुके हैं। शुक्रवार को एक मकान जब नदी में गिरा, उस वक्त एक युवती पास में ही खड़ी थी। उसने भागकर अपनी जान बचाई। लखीमपुर खीरी के निघासन तहसील क्षेत्र के ग्रंट 12 गांव में शारदा नदी की कटान का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। बृहस्पतिवार शाम से शुक्रवार सुबह तक 12 घंटे में 10 और घर शारदा नदी की तेज धारा में समा गए। यहां अब तक शारदा नदी गांव के 101 मकानों को लील चुकी है।

बृहस्पतिवार शाम से शुक्रवार सुबह तक गांव की रामश्री, चंद्रकली, डालचंद, महेश, लज्जावती, अभिषेक, शिवराम, शांतई, धर्मेंद्र और राधेश्याम के मकान नदी में समा गए।

कटान के आगे ग्रामीण बेबस हैं। शुक्रवार को कटान के दौरान एक युवती बाल-बाल बची। युवती घर के बाहर खड़ी थी, तभी भरभरा पूरा मकान नदी में समा गया। युवती ने भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने इसका वीडियो बना लिया।

आरोप- आश्वासन देकर की जा रही खानापूरी

बेघर हुए परिवारों ने बताया कि उन्हें अब बचाव की कोई राह नजर नहीं आ रही। दिन ढलते ही अंधेरे में खुले आसमान के नीचे रात गुजारनी पड़ रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की तरफ से कोई ठोस बचाव कार्य नहीं किया गया। सिर्फ मुआवजे का आश्वासन देकर खानापूरी की जा रही है।

पीड़ितों का कहना है कि लगातार गुहार लगाने के बावजूद न तो राहत सामग्री मिल पा रही है और न ही सुरक्षित ठिकाने।

तहसीलदार मुकेश वर्मा ने बताया कि कटानग्रस्त क्षेत्र पर नजर रखने के लिए लेखपाल को लगाया गया है। शासन को रोजाना रिपोर्ट भेजी जा रही है और जल्द ही प्रभावित परिवारों को मुआवजा दिलाने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

राणी सती गेस्ट हाउस में चल रहा था जिस्मफ़रोशी का धंधा

» फतेहगंज चौकी से 500 मीटर दूर सालों से फलता-फूलता रहा गंदा कारोबार

» आधी रात को टूटा ताला, बाहर आईं देह व्यापार की काली परतें

» सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह की अगुवाई में पुलिस का मिडनाइट ऑपरेशन

» एसएसपी की सख्त निगरानी से अपराधियों की उड़ी नींद

» गेस्ट हाउस संचालक दो अन्य पुरुषों के साथ 11 लड़कियां हिरासत में, बड़े नामों पर मंडरा रहा खतरा

इसी मकान में चल रहा था सेक्स रैकेट

चक्रपाणि त्रिपाठी एसपी सिटी अयोध्या

(मिडनाइट रेड)

गेस्ट हाउस संचालक गणेश अग्रवाल हिरासत में

संचालक सहित अन्य पर मुकदमा दर्ज

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। शहर के बीचो-बीच, चौकी से चंद कदम दूर, रानी सती गेस्ट हाउस सालों से देह के धंधे का अड्डा बना हुआ था। बाहर से गेस्ट हाउसज अंदर से रैकेट का कसीनो बन गया था। शनिवार की आधी रात 11 बजे जब शहर नींद में डूबा था, तभी पुलिस ने वो खेल बिगाड़ दिया, जिसे सालों से दलाल और गेस्ट हाउस मालिक खेल रहे थे। दरवाज़ा टूटाज हड़कंप मचाज और पुलिस के जाल में फंस गईं 11 लड़कियाँ।

सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह की कमान और एसएसपी डॉ0 गौरव ग्रोवर की सख्त मॉनिटरिंग ने इस अंडरग्राउंड बिज़नेस का सच उजागर कर दिया। सूत्रों की मानें तो इस गेस्ट हाउस में सिर्फ कमरे नहीं बुक होते थे, शरीर और रूह का सौदा बुक होता था।

शहर के बड़े-बड़े नाम रात के अंधेरे में यहां आते-जाते रहे। पुलिस की जांच में सामने आया कि गेस्ट हाउस संचालक गणेश अग्रवाल इन लड़कियों को गोरखपुर व बिहार से लाता था। किसी को शक न हो इसलिए उन्हें वह बाहर नही निकलने देता था। उनके खाने पीने का सारा इंतज़ाम अंदर ही रहता था। सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के अनुसार एक लड़की के पास से 1 लाख 35 हजार कैश भी मिला है।

बता दे कि 25 पुलिस वाले 5 गाड़ियों से 6 महिला आरक्षियों के साथ पहुंचे तो आसपास हड़कम्प मच गया लोग घरों से बाहर निकल आये। छापेमारी के दौरान बाहर खड़े लोग कह रहे थे गेस्ट हाउस तो राणी सती था, पर अंदर हर रात 'काली रानी' का खेल चलता था। अब सवाल यही है सालों से चल रहे इस धंधे पर किसकी छत्रछाया थी? कौन-सा हाथ था जिसने गेस्ट

एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि फतेहगंज स्थित राणी सती गेस्ट हाउस में अनैतिक देह व्यापार की सूचना पर सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह व कोतवाली नगर की संयुक्त छापेमारी में गेस्ट हाउस संचालक गणेश अग्रवाल दो अन्य पुरुषों के साथ 11 लड़कियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करके आगे की कार्यवाही की जा रही है।

अयोध्या में बिजली विभाग और भूमाफिया का गठजोड़ उजागर

» कोटिया राम जानकी मंदिर विवाद से उठा बड़ा सवाल कब होगी गिरफ्तारी?

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राम नगरी की पावन धरती पर एक बार फिर भूमाफिया और भ्रष्ट अफसरों की सांठगांठ ने सनसनी फैला दी है। थाना राम जन्मभूमि क्षेत्र के कोटिया राम जानकी मंदिर पर कब्ज़े की साजिश ने न सिर्फ धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाई है बल्कि पुलिस व बिजली विभाग की कार्यशैली पर भी सवालिया निशान लगा दिया है।

अधिवक्ता अश्विनी कुमार की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे ने पूरी कहानी को उजागर कर दिया। आरोप है कि भूमाफिया रामबली प्रजापति, जो बिहार के सीतामढ़ी का रहने वाला है और पहले से ही दो-दो संगीन मामलों का अभियुक्त है, ने मंदिर को कब्ज़ाने के लिए फर्जी अभिलेख तैयार किए। इस पूरे खेल में बिजली विभाग के

मुकदमे के वादी और अधिवक्ता दोनो है

एसडीओ नवनीत सिंह और जेई हरिश्चंद्र यादव ने साथ देते हुए मंदिर का मीटर उखाड़कर रामबली के नाम कनेक्शन करा दिया।अधिवक्ता का कहना है कि अयोध्या के थाना रामजन्मभूमि में दर्ज मु0अ0सं0 125/25 में आरोपियों पर बीएनएस की धारा- 319(2), 318(4), 338, 336(3), 352, 351(3) जैसे संगीन आरोप लगे हैं।

वहीं रामबली पर पहले से ही मु0अ0सं0 109/24 में एक दर्जन से अधिक धाराओं का मुकदमा दर्ज है। इसके बावजूद अब तक गिरफ्तारी नहीं होना इस बात का साफ संकेत है

हाईकोर्ट की शरण में पहुंचे अफसर

गिरफ्तारी के डर से एसडीओ नवनीत सिंह और जेई हरिश्चंद्र यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। वहीं अधिवक्ता अश्विनी कुमार का आरोप है कि दोनों आरोपी विवेचना को प्रभावित कर रहे हैं।

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तृतीय बलराम दास ने विवेचक जनार्दन सिंह को 04 अक्टूबर को केस डायरी समेत तलब किया है। साथ ही डीजीपी और एसएसपी ने भी आदेश दिया है कि अभियुक्तों का मूल जनपद से सत्यापन कराया जाए, मगर पुलिस अब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाई है।चौकाने वाली बात यह है कि भूमाफिया रामबली ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार के मकान और चैबर पर भी अवैध कब्ज़ा कर रखा है। उसके खिलाफ कूटरचना, जालसाजी जैसी आजीवन कारावास वाली धाराओं में केस दर्ज हैं।

स्वराज इंडिया के सवाल

-आखिर क्यों भूमाफिया और अफसरशाही का गठजोड़ खुलेआम मंदिर तक पर कब्ज़े की साजिश रच रहा है?

-क्यों पुलिस गिरफ्तारी से बच रही है?

-क्या हाईकोर्ट और न्यायालय की सख्ती से अब इस गहरे खेल का पर्दाफाश होगा?

अयोध्या की यह कहानी सिर्फ मंदिर कब्ज़े की नहीं, बल्कि उस पूरे सिस्टम की पोल खोलती है जहां भ्रष्ट अफसर और भूमाफिया मिलकर आस्था तक को हड़पने से नहीं चूकते।

सीएम योगी ने किया मिशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ, युवाओं को दिया मंत्र

एक घंटा रचनात्मक पुस्तक पढ़ें तो जीवन का हो कल्याण

एसओपी की पुस्तिकाओं का किया विमोचन, 1647 थानों में महिला सुरक्षा केंद्र का उद्घाटन

» कहा- घर की हिंसा हो या बाहर की, निपटने के लिए सही परामर्श उपलब्ध करवाने का हमारा प्रयास होना चाहिए।

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में शनिवार को लोक भवन सभागार में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए समर्पित मिशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर राज्य के सभी 1,647 थानों में नवनिर्मित मिशन शक्ति केंद्रों का उदघाटन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिशन शक्ति केंद्रों से जुड़ी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की पुस्तिकाओं का लोकार्पण किया। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री बेबी रानी मौर्या सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ से मिशन शक्ति 5.0 का शुभारंभ किया। लखनऊ के लोक भवन सभागार में शनिवार को मिशन शक्ति-5.0 का शुभारंभ किया गया। इस बार मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए समर्पित है। साथ ही सीएम योगी ने 1,647 थानों में नए मिशन शक्ति केंद्रों का उद्घाटन भी किया। इसके अलावा मिशन शक्ति केंद्रों से संबंधित एसओपी पुस्तिका का विमोचन किया। सीएम योगी ने मिशन शक्ति 5.0 के शुभारंभ के दौरान संबोधित करते हुए कहा कि 2020 में मिशन शक्ति के कार्यक्रम को प्रारंभ किया। ये अभियान नारी सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के लिए शुरू हुआ था। आज मिशन शक्ति के परिणाम हमारे सामने हैं। सीएम योगी ने दिशा पाटनी के घर पर शूटिंग करने वालों के बारे में जिक्र करते हुए कहा कि आपने कल देखा होगा महिला संबंधी अपराध में संलिप्त एक अपराधी बाहर से आया था। वह संभवतः मारीच की तरह घुसा था, लेकिन जब यहां की पुलिस की गोली ने उसके शरीर को छलनी किया तो वह चिल्ला रहा था कि सर मैं गलती से उत्तर प्रदेश की सीमा में आ गया हूं, आगे से यह दुस्साहस नहीं करूंगा। यह हर उस अपराधी को करना पड़ेगा जो महिला सुरक्षा में सेंध लगाएगा।

माफिया अपनी गलतियों के लिए माफी मांग रहे

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब अपराधी और माफिया भी समाज में अपनी गलतियों के लिए माफी मांग रहे हैं। मिशन शक्ति केंद्र महिलाओं के संरक्षण और न्याय सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएंगे, जिससे महिलाओं को हर स्तर पर सुरक्षा और सशक्तिकरण मिलेगा। महिलाएं-बेटियां पहले अपने आप को सुरक्षित नहीं समझती थीं, लेकिन आज का दिन है कि वो बिना डरे आगे बढ़ रही हैं। हम बेटियों को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं। हम बेटी के जन्म से लेकर स्नातक तक की पढ़ाई तक की व्यवस्था भी कर रहे हैं। बेटी के जन्म पर 5000 की राशि उसके अभिभावक को दी जाती है। बेटी एक वर्ष की होने पर 2000 रुपये दिए जाते हैं। बेटी की शादी के लिए भी सरकार अनुदान दे रही। उन्होंने सभी विभागों को महिलाओं को योजनाओं की जानकारी देने और जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया।

लखनऊः सीएम योगी ने किया गोमती पुस्तक महोत्सव का उद्घाटन

लखनऊ विश्वविद्यालय परिसर में शनिवार को गोमती पुस्तक महोत्सव शुरू होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उदघाटन किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की ओर से लखनऊ में यह चौथा पुस्तक मेला है। पहले के तीन मेले गोमती रिवर फ्रंट पर लगाये गए। इस बार लखनऊ विश्वविद्यालय के फुटबाल ग्राउंड में पुस्तक मेला लगाया जा रहा है।

20 से 28 सितम्बर तक लगने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव के सम्बन्ध में लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के निदेशक युवराज मलिक ने विश्वविद्यालय के एपीसेन प्रेक्षागृह में पत्रकारों को जानकारी दी। उदघाटन समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी, पद्मश्री डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी, एनबीटी-इंडिया के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद सुधाकर मराठे, लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और एनबीटी-इंडिया के निदेशक युवराज मलिक की मौजूदगी रहेगी।

दिवाली से पहले आउटसोर्स कर्मचारियों को मिली सौगात

खुशी की लहरः न्यूनतम वेतन 40 हजार तक हुआ तय

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश राज्य के लाखों आउटसोर्स कर्मचारी के लिए जरूरी खबर सामने आ रही है बता दे राज्य में विभिन्न विभागों में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी के लिए उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम की गठन का आदेश जारी हो चुका है बताने यह आदेश शुक्रवार को जारी किया गया था जिसके बाद निगम के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है और इस निगम की गठित होने से आउटसोर्स कर्मचारी को काफी राहत मिलेगी ।

बता दें नए आउटसोर्स सेवा निगम के वेतन बढ़ोतरी गठन से कर्मचारियों की तनाती निष्पक्ष तरीके से हो पाएगी और संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शित भी रहेगी और साथ ही 20000 से 40000 तक वेतन बढ़ोतरी भी होगी।

आउटसोर्स सेवा निगम के गठन का आदेश हुआ जारी

सरकार ने आउटसोर्सिंग के लिए पूरे कर क्रांतिकारी प्रबंध तैयार किए हैं जिसमें श्रेणी एक के लिए पूरी 40000 वेतन दिया जाएगा और दो श्रेणी के लिए 25000 वेतन मिलेगा तथा तीसरी श्रेणी के लिए 5000 वेतन निर्धारित हुआ है और चौथी श्रेणी को नियंत्रण सैलरी 20000 दी जाएगी साथी श्रेणी तीन और कर के कर्मचारियों की तैनाती के लिए अब कोई इंटरव्यू नहीं लिया जाएगा इन कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग प्रक्रिया में निगम नियामक की संपूर्ण भूमिका होगी साथ ही कंपनी अधिनियम 2013 के अंतर्गत इसका गठन होगा और इसे एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी की तरह जाना जाएगा जिसे गैर लाभकारी संस्था के रूप में राज्य में संचालित किया जाएगा।

प्रमुख सचिव सचिवालय प्रशासन अमित कोष की तरफ से आउटसोर्स सेवा निगम की गठन करें आदेश सामने लाया गया है और इसमें आदेश के मुताबिक आउट सेवा निगम की गठन के माध्यम से राज्य सरकार है सुरक्षित करना चाहती है कि सभी काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी को उनका हक मिले और उनका शोषण ना हो साथ ही उनका भविष्य पूरी तरह से सुरक्षित रहे इस निर्णय से लाखों बेरोजगार युवकों को रोजगार का मौका मिलेगा।

राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए कोर्ट के निर्देश

» शिकायत में भारत की अखंडता पर हमला करने का आरोप।

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

जिला अदालत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया है। एक वकील ने याचिका दायर कर राहुल गांधी पर देशविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। याचिका में कहा गया है कि राहुल ने कहा था कि हम अब भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज्य से लड़ रहे हैं। कोर्ट ने शिकायतकर्ता का बयान दर्ज करने के लिए 1 अक्टूबर की डेट दी है।

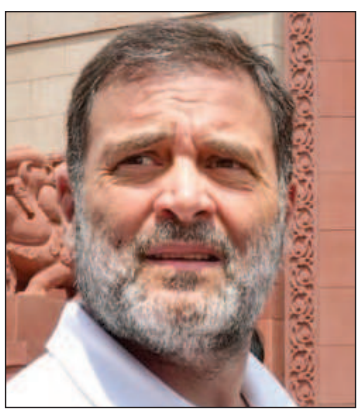

वकील नृपेंद्र पांडे ने याचिका में राहुल गांधी पर देश को अस्थिर करने के इरादे से राष्ट्रविरोधी बयान देने का आरोप लगाया है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, सांसद प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी, केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश को विपक्षी पक्षकार बनाते हुए आरोप लगाया कि चूंकि वे उस कार्यक्रम में मौजूद थे, जहां यह टिप्पणी की गई, इसलिए उन्हें भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि 15 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में नवनिर्मित कांग्रेस मुख्यालय, इंदिरा भवन के उद्घाटन के दौरान राहुल गांधी ने ने यह बयान दिया था। याचिका के अनुसार राहुल गांधी के शब्दों का अर्थ है कि कांग्रेस पार्टी भारतीय गणराज्य के विरुद्ध लड़ रही है। यह राष्ट्र के विरुद्ध बयान से कम नहीं था। उन्होंने तर्क दिया कि भारतीय राज्य शब्द भारत के लोगों और सभी संवैधानिक संस्थाओं, संसद, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को दर्शाता है, जो मिलकर भारतीय गणराज्य का निर्माण करते हैं। आरोप लगाया गया कि गांधी की टिप्पणी भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता पर हमला है। यह टिप्पणी ज़बान फिसलने के कारण नहीं है, बल्कि पूरी तरह से सचेत होकर, जानबूझकर और देश को अस्थिर करने के इरादे से की गई। वकील ने दावा किया कि राहुल गांधी के राष्ट्र-विरोधी बयान ने भारत माता और भारत के 140 करोड़ लोगों का अपमान किया।